



न्यूज़बीफ

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज से तेज गेंदबाज नाहिद के बाहर होने से बांग्लादेश की मुश्किलें बढ़ीं

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ इस माह के अंत में होने वाली टेस्ट सीरीज में प्रमुख तेज गेंदबाज नाहिद राणा के बिना ही उतरना होगा। इसका कारण है कि राणा कधे में लगी चोट के कारण दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं।

इस चोट के कारण वह नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में भी शायद ही खेल पावें। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने उनकी चोट की सही स्थिति जानने के लिए दूसरे विशेषज्ञ की राय लेने के लिए विदेश भेजने का निर्णय लिया। आस्ट्रेलिया में हुई विस्तृत जांच में उनके लैबरम में चोट की पुष्टि हुई। बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि राणा को आस्ट्रेलिया में इंजेक्शन दिया गया और उन्होंने चोट से उबरने के लिए अपना उपचार और अभ्यास कार्यक्रम शुरू कर दिया है। वहीं उम्मीद जताई जा रही है कि नाहिद 30 अक्टूबर तक गेंदबाजी शुरू कर सकते हैं। हालांकि उनकी मैदान में वापसी में अभी समय लग सकता है। गौरतलब है कि नाहिद राणा को वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए घोषित बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम में पहले ही जगह नहीं मिली थी, और अब उनके पूरी दो मैचों की सीरीज से बाहर रहने की आशंका लगभग तय मानी जा रही है।

रेलवे यूथ ने अरेरा को आठ विकेट से हराया

प्रतीक का अर्धशतक व्यर्थ, आदित्य अहिरवार बने प्लेयर ऑफ द मैच

भोपाल। भोपाल संभागीय क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर-22 इंटर क्लब टूर्नामेंट में मंगलवार को फेथ क्रिकेट क्लब मैदान पर रेलवे यूथ ने अरेरा को आठ विकेट से पराजित किया। गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन करने वाले आदित्य अहिरवार को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अरेरा की टीम 49.3 ओवर में 153 रन पर सिमट गई। टीम की शुरुआत खराब रही और एक रन पर पहला विकेट गिरने के बाद 13 रन तक तीन बल्लेबाज पवेलियन लौट गए। ऐसे मुश्किल समय में प्रतीक शुक्ला ने 137 गेंदों पर 76 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली। उन्होंने 98 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। शिखर देशमुख ने 40 गेंदों पर 19 रन बनाए। रेलवे यूथ की ओर से विवेक झा ने 20 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि आदित्य अहिरवार ने 22 रन देकर तीन विकेट झटकें। 154 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रेलवे यूथ ने 45 ओवर में दो विकेट पर 155 रन बनाकर जीत दर्ज की। प्रन्वल गुप्ता 19 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अदीब खान और ग्रंथ प्रजापति ने दूसरे विकेट के लिए 73 रन जोड़े। ग्रंथ ने 32 रन बनाए। अदीब खान ने 115 गेंदों पर नाबाद 58 रन बनाए, जबकि आदित्य अहिरवार 37 रन बनाकर नाबाद रहे। आदित्य ने तीन विकेट लेने के साथ बल्लेबाजी में भी अहम योगदान दिया।

अपेक्षाओं के दबाव से प्रभावित हो रही वैभव की बल्लेबाजी

मुम्बई। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर अपेक्षाओं का दबाव बढ़ता जा रहा है । इससे उनके प्रदर्शन पर भी प्रभाव पड़ सकता है। वैभव जितनी तेजी से आगे आये हैं। उससे उनसे काफी उम्मीदें जग गयी हैं। वहीं जब वह उम्मीदों के अनुसार रन नहीं बना पाते हैं तब उनपर इसका दबाव देखा जा सकता है। न्यूजीलैंड तेजी पर दूसरे टी20 मैच में वह रनों के लिए संघर्ष करते दिखे। वहीं जब वह असफल हुए तो उनपर सवाल उठने लगे। इसके अलावा पिछले कुछ समय में उनका प्रदर्शन पहले की तरह नहीं रहा है और वह संकष्ट करते दिखे हैं। वैभव जब अपने स्वाभाविक अंशज में मैदान पर उतरते हैं, तो उनका आक्रामक बल्लेबाजी विपक्षी टीम पर तुरंत दबाव बना देता है। उनकी यह निडरता, कुछ अलग कर दिखाने का अंदाज और खेल के प्रति समर्पण उन्हें अन्य प्रतिभाओं से अलग बनाता है। वहीं आधुनिक क्रिकेट की तेजी से बदलती दुनिया में प्रसिद्धि, पैसा और लोकप्रियता जितनी रफ्तार से मिलती है, जिम्मेदारियों का बोझ भी उतनी ही तेजी से बढ़ जाता है। यह भारी भरकम बोझ और अपेक्षाओं का दबाव कई बार एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी के स्वाभाविक खेल पर बुरी तरह हावी हो जाता है, जिससे उनकी प्रतिभा दबने लगती है।यहीं कुछ वैभव के साथ हो रहा है। कम उम्र में ही उन्हें जो उपलब्धियां हासिल हुई हैं। उससे प्रशंसकों की उनसे अपेक्षा बढ़ गयी है। आईपीएल नीलामी में 1.1 करोड़ रुपये की बड़ी रकम मिलना, 440 गेंदों में 1,000 रन पूरे करने का गौरव, महज 11 गेंदों में विस्फोटक अर्धशतक जड़ना और एक सीजन में 72 छकों की आतिशबाजी उनके आक्रामक रुख और असाधारण क्षमता को दर्शाती है। इन शानदार उपलब्धियों ने उनसे उम्मीदों के आसमान छूने जैसी स्थिति पैदा कर दी है। परंतु यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि किसी भी खिलाड़ी की महानता का फैसला केवल कुछ रिकार्डों या आंकड़ों से नहीं होता। असली महानता उसके पूरे करियर की निरंतरता, उतार–चढ़ाव से उबरने और सबसे बढ़कर कठिन परिस्थितियों में शानदार वापसी करने की क्षमता से तय होती है।

नईदुनिया

हैरी केन ने जीता बैलन डी ओर, 25 साल बाद किसी इंग्लिश खिलाड़ी को मिला सम्मान

लंदन
इंग्लैंड के कप्तान और बायर्न म्यूनिख के स्टार स्ट्राइकर हैरी केन ने फुटबाल का प्रतिष्ठित बैलन डीओर पुरस्कार जीतकर इतिहास रच दिया है। वह 25 साल बाद यह सम्मान हासिल करने वाले पहले इंग्लिश खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले 2001 में माइकल ओवेन ने यह पुरस्कार जीता था। लंदन के पैलेडियम थिएटर में आयोजित समारोह में 33 वर्षीय केन को यह सम्मान प्रदान किया गया। केन ने पिछले सत्र में क्लब और देश के लिए कुल 73 गोल किए। बायर्न म्यूनिख के साथ उन्होंने बूंडेसलीगा और जर्मन कप का खिताब जीता, जबकि इंग्लैंड को फीफा विश्व कप के सेमीफाइनल तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाई। पुरस्कार की दौड़ में उन्होंने फ्रांस के किलियन एमबापे और स्पेन के युवा स्टार लामिन यामल को पीछे छोड़ा। पुरस्कार मिलने के बाद केन भावुक नजर आए। उन्होंने

कहा, वाह, मेरे पास कहने के लिए लगभग शब्द नहीं हैं। फ्रांस फुटबाल और बैलन डीओर का इस शानदार आयोजन के लिए धन्यवाद। लंदन में यह सम्मान मिलना इसे और खास बनाता है। आज का दिन मेरे लिए शुभ संकेत जैसा रहा।

उन्होंने पुरस्कार के लिए मतदान करने वालों का आभार जताते हुए कहा कि इस साल मुकाबला बेहद कठिन था, क्योंकि उनके सामने कई असाधारण खिलाड़ी थे। केन ने सभी विजेताओं और नामांकित खिलाड़ियों को बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि यह सम्मान दिखाता है कि दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत से क्या हासिल किया जा सकता है।

टोटेनहम से बायर्न तक के सफर को किया याद – केन ने अपनी सफलता का श्रेय बायर्न म्यूनिख के साथियों और कोच विंसेंट कंपनी को दिया। उन्होंने कहा कि अभ्यास के दौरान टीम के खिलाड़ी उन्हें बेहतर बनने के लिए प्रेरित करते हैं। कंपनी के अस्पताल में होने का जिक्र

करते हुए उन्होंने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की और कहा कि उम्मीद है, इस उपलब्धि से उन्हें थोड़ी ऊर्जा मिलेगी।

इंग्लैंड की टीम को लेकर केन ने कहा कि पिछला साल पूरी तरह परिपूर्ण नहीं था, लेकिन खिलाड़ियों के बीच शानदार तालमेल और एकजुटता रही। उन्होंने टीम की कप्तानी करना अपने लिए सम्मान की बात बताया और कहा कि यह पुरस्कार उनके सभी साथियों के नाम भी है।

केन ने टोटेनहम हाटस्पर का भी विशेष रूप से धन्यवाद किया। वह 11 साल की उम्र में क्लब की अकादमी से जुड़े थे। उन्होंने कहा कि क्लब के कोचों और मार्गदर्शकों ने उनके सपने को साकार करने में मदद की। उन्होंने अपने करियर के अलग-अलग पड़ावों पर साथ देने वाले प्रशिक्षकों और मार्गदर्शकों के योगदान को भी याद किया।

पत्नी और बच्चों को दिया सफलता का श्रेय – अपने भावुक संबोधन में केन ने पत्नी केट को अपना सबसे

बड़ा समर्थक बताया। उन्होंने कहा कि दोनों ने करियर में कई उतार–चढ़ाव देखे हैं और केट ने हमेशा उनके सपनों को पूरा करने में सहयोग दिया है।

केन ने कहा, मुझे लगा कि आप यह ट्राफी मुझसे भी ज्यादा चाहती थीं। इसे हासिल करने के लिए आपने कई त्याग किए। यह सिर्फ मेरी ट्राफी नहीं है, बल्कि हम दोनों की है। मैं आपसे प्यार करता हूँ और इस उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए उत्साहित हूँ।

उन्होंने अपने बच्चों आइवी, विवियन, लुई और हेनरी का भी जिक्र किया। मुस्कुराते हुए कहा कि समारोह काफी देर तक चला और बच्चों के सोने का समय हो चुका होगा। उन्होंने कहा कि वह अपने बच्चों के सामने मेहनत करने, खुद पर विश्वास रखने और एक अच्छा पिता तथा पेशेवर खिलाड़ी बनने की मिसाल कायम करना चाहते हैं। अपने संघर्षपूर्ण सफर को याद करते हुए केन ने कहा कि वह सीधे शीर्ष स्तर तक नहीं पहुंचे।

पैन पैसिफिक ओपन टूर्नामेंट से वापसी करेगी ओसाका



टोक्यो

जापान की महिला स्टार टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका

अगले सप्ताह यहां होने वाले

पैन पैसिफिक ओपन टूर्नामेंट से कोर्ट पर वापसी करेंगी।

ओसाका को उम्मीद है कि वह

अभी भी बेहतर प्रदर्शन कर

सकती है। वह अपने अभियान

की शुरुआत ओसाका इटली की

जैसिन पाओलिनी के

खिलाफ करेंगी।

इस प्रतियोगिता में दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी एलेना रिबाकिना और फिलीपींस की एलेसस एला भी हिस्सा लेंगी। ओसाका इस टूर्नामेंट में अपने घरेलू दर्शकों के बेहतर प्रदर्शन कर जीत हासिल करना चाहेंगी। अभी विश्व रैंकिंग में 19वें स्थान पर कायम ओसाका को भरोसा है कि वह बड़े खिताब जीतने की दौड़ में फिर शामिल हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि वह अपने पुराने स्तर से बहुत दूर हैं।

गौरतलब है कि ओसाका ने अपने करियर में 4 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। उन्होंने 2018 और 2020 में यूएस ओपन तथा 2019 और 2021 में आस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। उनकी आक्रामक खेल शैली

एलेक्सिसया पुटेलास ने तीसरी बार जीता महिला बैलन डीओर, रचा इतिहास

लंदन

स्पेन की दिग्गज फुटबालर एलेक्सिया

पुटेलास ने तीसरी बार महिला बैलन डीओर

पुरस्कार जीतकर इतिहास रच दिया है।

बार्सिलोना और स्पेन की पूर्व मिडफील्डर

पुटेलास को लंदन के पैलेडियम थिएटर में

आयोजित समारोह में 2026 का महिला

बैलन डीओर प्रदान किया गया। उन्होंने

इससे पहले 2021 और 2022 में भी यह

प्रतिष्ठित पुरस्कार जीता था।

32 वर्षीय पुटेलास के लिए पिछला सत्र शानदार रहा। बार्सिलोना के साथ रहते हुए उन्होंने लीगा एफ, कोपा डे ला रेइना, स्पेनिश सुपर कप और यूईएफए महिला चैंपियंस लीग का खिताब जीता। स्पेन की राष्ट्रीय टीम ने भी उनके नेतृत्व में शानदार प्रदर्शन जारी रखा। टीम ने यूईएफए नेर्वास लीग का खिताब जीता और यूरोपीय महिला चैंपियनशिप में उपविजेता रही।

पुरस्कार हासिल करने के बाद पुटेलास ने अपनी टीम की साथियों का आभार जताया। उन्होंने कहा, मैं सबसे पहले अपनी साथियों को धन्यवाद देना चाहती हूं। मुझे लगता है कि यहां

एकदिवसीय सीरीज होगी। इसके ठीक

चार दिन बाद, 19 नवंबर से दो टेस्ट मैचों

की सीरीज शुरू होगी। तेज गेंदबाजों की

कवर के तौर पर टीम में बनाए रखने का

यह महत्वपूर्ण निर्णय दौरे से कई महीनों

पहले तैयार की गई एक व्यापक

कार्यभार प्रबंधन रणनीति का हिस्सा है।

मोर्कल ने स्पष्ट किया, प्रत्येक गेंदबाज

को पता है कि उनसे कार्यभार और

गेंदबाजी के मामले में क्या अपेक्षा की

जाती है। कुछ खिलाड़ी लाल गेंद की

क्रिकेट की तैयारी के लिए भारत ए टीम

की तर्फ से भी खेल रहे हैं। उन्होंने यह

भी जानकारी दी कि टेस्ट सीरीज से

पहले गेंदबाजों को मैच अभ्यास के लिए

एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैचों के दौरान

रोटेट किया जाएगा, जिससे वे थकान के

जोखिम के बिना धीरे-धीरे अपना

कार्यभार बढ़ा सकें।

श्रीलंकाई सलामी बल्लेबाज पाथुम निसंका पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर



नई दिल्ली। श्रीलंकाई सलामी बल्लेबाज पाथुम निसंका पाकिस्तान में होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। वे अपने बाएं हेमिस्ट्रिंग की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। निसंका को शुरुआती 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया था, लेकिन शर्त यह थी कि वे तभी यात्रा कर सकेंगे, जब उभे मंडिलक रूप से फिट घोषित किया जाएगा। हालांकि, श्रीलंका क्रिकेट के एक बयान से पुष्टि हुई है कि वे सीरीज शुरू होने तक फिट नहीं हो पाए हैं। निसंका को सितंबर में इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंका के व्हाइट-बाल दौरे के दौरान चोट लगी थी, जिसके कारण वे पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज से भी बाहर हो गए थे। उन्हें चल रही एकदिनी ट्राई-सीरीज के लिए भी टीम में एक शर्त के साथ (कंडीशनल फिफ के तौर पर) शामिल किया गया था, लेकिन फिटनेस टेस्ट पास न कर पाने के कारण उन्हें वहां से भी बाहर होना पड़ा। इस ताजा झटके के कारण निसंका की टेस्ट क्रिकेट में वापसी और टल गई है। इससे पहले अगस्त में कलाई की चोट के कारण वे भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज भी नहीं खेल पाए थे। टेस्ट सीरीज के लिए निसंका की जगह ओपनर लाहिरु उदारा की टीम में शामिल किया गया है। उदारा पहले से ही सनडे टीम के साथ पाकिस्तान में मौजूद हैं; उन्हें ट्राई-सीरीज के लिए भी निसंका के रिप्लेसमेंट के तौर पर चुना गया था। उन्होंने अब तक पांच टेस्ट मैच खेले हैं।

कोच मोर्कल बोले, टेस्ट सीरीज के लिए वैकल्पिक गेंदबाजों को शामिल किया जाएगा, अर्शदीप कर सकते हैं टेस्ट डेब्यू



हैं, जिन्हें हम व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए बैकअप के तौर पर रखना चाहेंगे।

वहीं सीमित ओवरों में प्रभावित करने वाले अर्शदीप ने अभी तक भारत के लिए

टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण नहीं किया है,

लेकिन वे गेंद को दोनों तरफ स्विंग

कराने की अपनी क्षमता के कारण

लाल गेंद क्रिकेट में एक मजबूत

दावेदार बने हुए हैं। मोर्कल ने अर्शदीप

की तारीफ करते हुए कहा, हमारे

दिमाग में गेंदबाजों का एक अच्छा

समूह है, जो हर तरह की परिस्थितियों

में कारगर साबित हो सकता है और

निश्चित रूप से अर्शदीप इसका एक

महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वह एक ऐसा

खिलाड़ी है जो हमेशा कड़ी मेहनत

करता है और हर कसौटी पर खरा

उतरता है, इसलिए अगर उसे लाल गेंद

से गेंदबाजी करने की जरूरत पड़ी तो

मुझे पूरा विश्वास है कि वह अच्छा प्रदर्शन

करेगा। भारत इस समय न्यूजीलैंड दौरे

पर पांच टी20 मैचों की सीरीज खेल रहा

है, जिसके बाद पांच मैचों की